पत्र लेखन - औपचारिक पत्र

ए.टी.एम. मशीन से प्राप्त होने वाले नकली नोटों की समस्या पर संपादक को पत्र लिखिए।

सी-23, करोलबाग,
नई दिल्ली।

दिनांक:............

सेवा में,
मुख्य संपादक,
हिन्दुस्तान टाइम्स,
बहादुरशाह जफ़र मार्ग,
दिल्ली।

विषय: ए.टी.एम. मशीन से प्राप्त होने वाले नकली नोटों की समस्या दर्शाने हेतु पत्र।

महोदय,

मैं भारत का एक ज़िम्मेदार नागरिक हूँ। मैं आपके प्रसिद्ध समाचार-पत्र द्वारा ए.टी.एम. मशीन से प्राप्त होने वाले नकली नोटों की समस्या पर प्रशासन और सरकार का ध्यान आकृष्ट करवाना चाहता हूँ।

आज हर जगह नकली नोटों का धंधा फल-फूल रहा है। आप किसी भी दुकान या स्थान पर चले जाएँ आपको नकली नोट मिल ही जाएँगे। भारत की आर्थिक व्यवस्था को नकली नोटों का जाल नुकसान पहुँचा रहा है। साथ ही भारत में नकली नोटों का जाल इस तरह फैल गया है कि बैंक भी इससे अछूते नहीं रह गए हैं। आम आदमी अपनी ज़रूरत के अनुसार बैंक द्वारा दी गई ए.टी.एम. सुविधा से रुपये निकाल लेता है। वह इन पर इतना विश्वास करता है कि इन नोटों को लेते हुए देखता भी नहीं है।

इस विश्वास के चलते वह मारा जाता है। उसके हाथ लगते हैं, तो नकली नोट। बैंक के पास जाएँ, तो वह इस बात की ज़िम्मेदारी लेने से मना कर देते हैं। इस कारण आम आदमी या तो पुलिसवालों के हाथों तंग किया जाता है या फिर उन नोटों को चलाने के लिए मजबूर हो जाता है।

अत: आपसे निवेदन है कि आप इस समस्या की ओर प्रशासन का ध्यान दिलवाएँ और इस समस्या से हमारे शहर को मुक्त करवाएँ।

धन्यवाद,

भवदीय,
उमेश बंसल

बढ़ रही पेट्रोल की कीमतों पर चिन्ता जताते हुए संपादक को पत्र लिखिए।

पता: ....
दिनांक: ....

सेवा में,
संपादक महोदय,
हिन्दुस्तान टाइम्स,
बहादुरशाह ज़फ़र मार्ग,
नई दिल्ली।

विषय: दिल्ली में पेट्रोल की बढ़ रही कीमतों पर चिन्ता व्यक्त करने हेतु पत्र।

महोदय,

'दिल्ली' भारत की राजधानी कहलाती है। इस महानगर में लोग अपने सपनों को साकार करने के लिए आते हैं। परंतु आज यहाँ पर लोगों को मूलभूत सुविधाओं के लिए तरसना पड़ता है; जैसे- रहने के लिए घर नहीं हैं, पीने के लिए साफ़ पानी नहीं है, खाद्य पदार्थ की गुणवत्ता पर विश्वास नहीं किया जा सकता, बिजली जो आती कम है पर जाती ज्यादा है, बढ़ती मंहगाई ने सबको तंग किया हुआ है इत्यादि।

इस मंहगाई का सबसे ज्यादा असर पेट्रोल की कीमतों पर दिखाई देने लगा है। कुछ समय से बार-बार पेट्रोल के दामों में बढ़ोतरी हो रही है। सरकार पेट्रोल कंपनियों का घाटा पूरा करने के लिए आम आदमी के ऊपर भार बढ़ा रही है। इस कारण से आम आदमी का जीवन मुश्किल हो गया है। आमदनी इतनी तेज़ी से नहीं बढ़ रही जितनी तेज़ी से पेट्रोल की कीमतों में बढ़ोतरी हो रही है।

पेट्रोल की कीमतों में बढ़ोतरी होती है, तो बस या टैक्सी आदि के किरायों में अपने आप बढ़ोतरी हो जाती है। आम आदमी की आमदनी का बढ़ा हिस्सा किराया देने में ही निकल जाता है। सरकार लोगों की परेशानियों को अनदेखा कर रही है।

सरकार से अनुरोध है कि इन समस्याओं की तरफ़ बड़े ग़ौर से ध्यान देकर सुलझाने की कोशिश करें।

धन्यवाद,

भवदीय,
धनपत मिश्रा

दिल्ली की सड़कों की खराब स्थिति के विषय में संपादक को पत्र लिखिए।

पता: ....
दिनांक: ....

सेवा में,
मुख्य संपादक,
हिन्दुस्तान टाईम्स,
नई दिल्ली।

विषय: दिल्ली की सड़कों की खराब स्थिति के विषय में अवगत कराने हेतु पत्र।

महोदय,

मैं आपका ध्यान दिल्ली की सड़कों की खराब स्थिति की ओर आकृष्ट करवाना चाहता हूँ। दिल्ली एक विशाल जन आबादी वाला क्षेत्र है। महानगर होने के कारण यहाँ भारत के कोने-कोने से लोग आकर बसे हुए हैं। उनके जन-जीवन का मुख्य हिस्सा ये सड़कें हैं। परन्तु इन सड़कों की बदहवाली के कारण उनका जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। इन सड़कों के कारण उन्हें कार्यालय पहुँचने में देर हो जाती है। वाहनों की बदहवाली भी इन सड़कों के कारण ही है। कई दुर्घटनाएँ इन्हीं खराब सड़कों के कारण होती है।

बरसात के दिनों में यह सड़कें गड्ढे होने के कारण पानी से भर जाती है। पानी की निकासी हो नहीं पाती और लोगों की मुसीबतें दुगुनी हो जाती है। इन सड़कों के विषय में प्रशासन को बताया जाता है, तो वह इन्हें ठीक करने के नाम पर उस स्थान को भर देते हैं। वहाँ से ठीक होने पर सड़कें दूसरे स्थान से खराब हो जाती हैं। यही सिलसिला चलता रहता है।

मैं आपसे प्रार्थना करता हूँ कि आप अपने समाचार-पत्र में इसे छापकर सरकार व प्रशासन का ध्यान इस तरफ़ आकर्षित करें। आपके इस प्रयास से दिल्लीवासी इस समस्या से शीघ्र छुटकारा पा सकेंगे।

धन्यवाद,

भवदीय,
रामलाल मेहरा,

लोगों द्वारा पानी की बर्बादी पर चिन्ता जताते हुए संपादक को पत्र लिखिए।

पता: ....
दिनांक: ....

सेवा में,
संपादक,

नवभारत टाइम्स,
बहादुरशाह जफ़र मार्ग,

आई.टी.ओ.

नई दिल्ली।

विषय: लोगों द्वारा पानी की बर्बादी पर चिंता हेतु पत्र।

मेरा नाम केशवराम है। आजकल जहाँ देखिए लोगों द्वारा पानी की कमी के लिए हल्ला मचाया जाता है। उसके लिए पूरी तरह से सरकार को ज़िम्मेदार ठहराते हुए नज़र आते हैं। लेकिन स्वयं के द्वारा पानी के प्रति अपनाया गया लापरवाहीवाला रवैया उन्हें दिखाई नहीं देता। सरकार जितना पानी लोगों को उपलब्ध करवाती है, लोगों द्वारा खपत उससे दुगनी की जाती है।

पानी का हमारे दैनिक जीवन में बहुत उपयोग होता है। अत: चाहते हुए या न चाहते हुए हमें पानी का प्रयोग करना पड़ता है। लेकिन लोगों द्वारा पानी की बर्बादी नहीं रोकी जाती। लोग साफ़ पानी से घर के आंगन, गाड़ी, गार्डन आदि में बिखेरते हुए नज़र आते हैं। पानी के नल खुले हुए रहते हैं। पानी बह रहा है परन्तु कोई उसे ठीक नही करवाता। पानी का प्रयोग यदि बड़ी सावधानी से किया जाए, तो पानी बर्बाद होने से बचाया जा सकता है।

आपसे निवेदन है कि इसे अपने समाचार-पत्र में उचित स्थान पर छापकर लोगों का ध्यान इस ओर करवाने की कृपा करें।

धन्यवाद,

भवदीय,
केशवराम

झुग्गी-झोपड़ियों द्वारा बिजली की चोरी के कारण आई समस्या को दर्शाने हेतु संपादक को पत्र लिखिए।

पता: ....
दिनांक: ....

सेवा में,
संपादक,
नवभारत टाइम्स,
बहादुरशाह जफ़र मार्ग,
आई.टी.ओ.,
नई दिल्ली।

विषय: झुग्गी-झोपड़ियों द्वारा बिजली की चोरी की शिकायत हेतु पत्र।

मान्यवर,

सविनय निवेदन यह है कि हमारे क्षेत्र के दक्षिण भाग में स्थित नाले के किनारे झुग्गी-झोपड़ियाँ बनी हुई हैं।

यह झोपड़ियाँ क्योंकि चुपके से बनाई गई हैं। अत: दिल्ली नगर निगम द्वारा इन्हें बिजली-पानी की कोई सुविधा उपलब्ध नहीं कराई गई है। इन झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले लोगों ने हमारे क्षेत्र के निवासियों का जीना दुर्भर कर दिया है।

इन्होंने हमारे क्षेत्र में स्थित बिजली के खंभों से बिजली चुरानी आरंभ कर दी है। ये खंभे इनके क्षेत्र के नज़दीक हैं। अत: यहाँ से बिजली चुराना इनके लिए सरल हो जाता है। बिजली के तारों के ऊपर यह लोहे के हुक से जुड़ी तारों को डाल देते हैं और अपने घरों के लिए बिजली प्राप्त करते हैं।

इनके कारण हमारे क्षेत्र तक बिजली की आपूर्ति कम हो पाती है। अत्यधिक दबाब से या छेड़छाड़ के कारण खंभों में आग लग जाती है। इस कारण कई-कई घंटे बिजली गुल रहती है। इस विषय पर हमने प्रशासन का ध्यान दिलाने का प्रयास भी किया परन्तु हमारे सारे प्रयास असफल रहे।

अत: आपसे अनुरोध है कि आप अपने समाचार पत्र में इस समस्या को छापकर प्रशासन का ध्यान इस ओर दिलाने का प्रयास करें। हम आपके सदैव आभारी रहेंगे।

धन्यवाद,

भवदीय,
लोकपाल सिंह

डी.टी.सी. की बसों में बार-बार आग लगने की समस्या को बताने हेतु मुख्य प्रबंधक को पत्र लिखिए।

पता: ....
दिनांक: ....

सेवा में,
मुख्य प्रबंधक,

दिल्ली परिवहन निगम,
कालकाजी बस डिपो, नई दिल्ली।

विषय: बसों में बार-बार आग लगने की समस्या हेतु पत्र।

महोदय/महोदया,

मेरा नाम दिनेश है। मैं गोविंदपुरी का निवासी हूँ और लाजपत नगर काम पर जाता हूँ। घर आने-जाने के लिए मैं डी.टी.सी. बस नम्बर 463 का प्रयोग करता हूँ।

एक दिन मुझे कार्यालय जाने में देर हो गई थी। अत: दस बजे मैं लाजपत नगर जाने के लिए इस बस में

चढ़ा। अभी हमें चले कुछ देर ही हुई थी कि चालाक को बस में धुआँ आता हुआ दिखाई दिया। बस में अधिक लोग न होने के कारण हम शीघ्रता से बस में से बाहर निकल गए और अपनी जान बचाई। परन्तु हर बार ऐसा हो यह संभव नहीं है। अब डी.टी.सी. बस में सफ़र करते हुए एक अनजाना-सा भय लगा रहता है। गर्मियों में डी.टी.सी. बसों में आग के मामले ज़ोर पकड़ने लगते हैं। यातायात के अन्य विकल्प न होने के कारण लोगों को इसमें सफर करना पड़ता है।

मेरा आपसे अनुरोध है कि आप हमारे इस भय को दूर करने के लिए आवश्यक कदम उठाएँ ताकि लोगों की जान के साथ खिलवाड़ नहीं हो।

धन्यवाद,

भवदीय,
दिनेश

गंदे पीने के पानी की शिकायत करते हुए नगर-निगम स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र लिखिए।

सी-25, मोती नगर,
नई दिल्ली।

दिनांक: ....

सेवा में,
स्वास्थ्य अधिकारी,

दिल्ली नगर निगम,
मोती नगर, नई दिल्ली।

विषय: पीने के पानी में सीवर का पानी मिला होने की शिकायत हेतु पत्र।

महोदय,

मैं मोती नगर का निवासी हूँ। मैं आपका ध्यान हमारे क्षेत्र में पीने के पानी में सीवर का गंदा जल मिलने से उत्पन्न समस्या की ओर करवाना चाहता हूँ। हमारे क्षेत्र में पिछले कुछ दिनों से पीने के पानी में सीवर का पानी मिला हुआ आ रहा है। संभवत: कहीं से पानी का पाइप फट गया होगा और उसमें सीवर का जल मिल रहा होगा।

पानी का रंग साफ होने के स्थान पर हल्का काला रंग का होता है। उसमें से हल्की-सी बदबू आती रहती है। कई बार तो इसमें अपशिष्ट पदार्थ भी देखे गए हैं। यह पानी इस योग्य नहीं होता है कि इसे उबाल कर प्रयोग किया जा सके। घर के अन्य कामों को करने हेतु भी इसका प्रयोग नहीं किया जा सकता है। पानी को साफ करने वाले उपकरण भी व्यर्थ हो जाते हैं। इसे पीने का अर्थ है; स्वास्थ्य के साथ खेलना।

अत: आपसे निवेदन है कि आप इस समस्या का निवारण कर, हमें शीघ्र ही पीने का साफ़ पानी उपलब्ध कराने का कष्ट करें। हमारा क्षेत्र सदैव आपका आभारी रहेगा।

धन्यवाद सहित,

भवदीय,
मनन भारद्वाज

साइकिल की चोरी की रिपोर्ट करने हेतु थानाध्यक्ष को पत्र लिखिए।

यमुना बाज़ार,
नई दिल्ली।

दिनांक: …………

सेवा में,
थानाध्यक्ष महोदय,
अशोक नगर थाना, नई दिल्ली।

विषय: साइकिल चोरी की रिपोर्ट करने हेतु पत्र।

महोदय,

मैं यमुना बाज़ार क्षेत्र का निवासी हूँ। कल दिनांक ………….. लगभग सायं 4 बजे मैं पंजाब नेशनल बैंक में कुछ काम से गया था। बैंक के सामने मैंने ताला लगा कर साइकिल खड़ी की थी। बैंक का काम करके जब मैं बाहर आया, तो देखा कि मेरी साइकिल वहाँ से गायब थी। मैंने सब जगह देखा पर साइकिल कहीं भी नहीं मिली।

मैंने आस-पास के लोगों से भी पूछताछ की परंतु किसी को इस बारे में कोई जानकारी नहीं थी। मेरी साइकिल लाल रंग की एटलस है। उस पर हरे रंग की सीट लगी है। उसका नंबर 55876 है और वह रंग-बिरंगीं मोतियों से सजी है।

आपसे निवेदन है कि मेरी साइकिल चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज करें एवं उसे शीघ्रता से ढूँढने का प्रयास करें। कृप्या इसे मिलने पर इस मोबाइल नम्बर ……………………. में सूचित करें।

धन्यवाद,

भवदीय,
संजीव शर्मा

बस कडंक्टर के बुरे व्यवहार के लिए परिवहन विभाग को शिकायती पत्र लिखिए।

पता: ....
दिनांक: ....

सेवा में,
मुख्य प्रबंधक,
दिल्ली परिवहन निगम, नई दिल्ली।

विषय: बस कडंक्टर के बुरे व्यवहार के लिए शिकायती पत्र।

महोदय/महोदया,

मेरा नाम अमन है। मैं वजीरपुर का निवासी हूँ। मैं कल बस नंबर 479 से अपने कार्यालय से वजीरपुर जा रहा था। हमारी बस का कंडक्टर टिकट देते हुए यात्रियों के साथ चिल्लाकर बातें कर रहा था। वह बस मैं गंदी व अभद्रपूर्ण बातें कर रहा था। इससे बस में बैठे हुए बच्चों, लड़कियों व अन्य यात्रियों पर विपरीत असर पड़ रहा था।

हमारे द्वारा उसका विरोध किए जाने पर वह हमारे साथ ही लड़ने लगा। वह न तो वृद्धजनों के लिए बस रुकवाता और न ही सही गंतव्य किसी को बताता। यदि उससे किसी स्थान के विषय में पूछा जाता, तो वह चिल्ला उठाता।

उस बस कंडक्टर का नाम राजू था। उसके द्वारा किए गए इस अप्रशंसनीय कार्य व व्यवहार से सबको बड़ी परेशानी हुई।

मेरा आपसे अनुरोध है कि आप दिल्ली परिवहन निगम की तरफ से उसे दण्डित करें। आपके इस उठाए गए कदम से अन्य बस कंडक्टरों के लिए मिसाल कायम होगी और वे सभी अपने कर्त्तव्यों का पालन कुशलतापूर्वक करेंगे।

धन्यवाद,

भवदीय,
अमन

पुस्तक विक्रेता को पुस्तकें मँगाने के लिए पत्र लिखिए।

357/4, राज नगर, नई दिल्ली।
दिनांक: ....

सेवा में,
व्यस्थापक,

जीवन पब्लिशिंग हाऊस प्रा. लि.,
4809-11, अंसारी रोड़,
दरियागंज, नई दिल्ली-110002

विषय: पुस्तक मँगाने हेतु प्रार्थना-पत्र।

महोदय,

आपसे सविनय निवेदन यह है कि मुझे निम्नलिखित पुस्तकों की शीघ्र आवश्यकता है। मेरी कक्षा आगामी सप्ताह से आरंभ होने वाली है। इसलिए ये पुस्तकें जितना शीघ्र हो सकें आप वी.पी.पी. से भेज दें। मैंने इन पुस्तकों की अग्रिम राशि 800 रुपये मनीआर्डर के द्वारा दिनांक .... को भेज दी है।

आपको वह राशि अब तक मिल गई होगी। पुस्तकें भेजने से पहले यह सुनिश्चित कर लीजिएगा कि पुस्तकें नए संस्करण की हों, कटी-फटी न हों और पुस्तकें कवर चढ़ी हों। इस पत्र के साथ पुस्तकों की सूची भेज रहा हूँ। वे इस प्रकार है-

1. हिंदी व्याकरण (कक्षा: छठी) 1 प्रति
3. कंप्यूटर विज्ञान (कक्षा: छठी) 1 प्रति
4. संस्कृत व्याकरण (कक्षा: छठी) 1 प्रति
5. समाजिक विज्ञान गाइड (कक्षा: छठी) 1 प्रति

आपसे विन्रम निवेदन है जितनी शीघ्र हो सकें, ये पुस्तकें भिजवा दें। आपकी अति कृपा होगी।

धन्यवाद,

भवदीय,
राजा नेगी

अस्पताल में मच्छरों के कारण उत्पन्न समस्या को दर्शाने हेतु मुख्य चिकित्सक को पत्र लिखिए।

पता: ....
दिनांक: ....

सेवा में,
मुख्य चिकित्सक,
सफ़दरजंग अस्पताल, नई दिल्ली।

विषय: सफ़दरजंग अस्पताल में मच्छरों से होने वाली परेशानी के लिए शिकायती-पत्र।

महोदय,

मेरे पिता पिछले कुछ दिनों से सफ़दर अस्पताल के सर्जिलकल वार्ड में भर्ती हैं। यहाँ पर उन्हें हर सुविधा उपलब्ध है। उनके कमरे के पीछे के स्थान पर पीने के पानी का नल लगा हुआ है, जिसमें लगातार पानी गिरने से वहाँ जगह-जगह पानी भर गया है। पानी की निकासी नहीं होने के कारण वहाँ मच्छर पनपने लगे हैं। दिन हो या रात इन मच्छरों के कारण सर्जिकल वार्ड के मरीज खासे परेशान हैं। वार्ड के स्टाफ से इस बारे में कई बार शिकायत की गई परन्तु वे हमारी बात को टाल देते हैं। हमने स्वयं ही मच्छरों को मारने की मशीन यहाँ पर लगाई परन्तु इससे भी कोई खास असर नहीं पड़ा।

इस वार्ड में ऐसे मरीज भर्ती हैं जिनका हाल ही में आपरेशन हुआ है। इन मच्छरों के कारण वे स्वयं को बहुत असमर्थ महसूस करते हैं। कई ऐसे रोगी भी हैं, जो मलेरिया के शिकार भी हो गए हैं। परन्तु अस्पताल के कर्मचारियों द्वारा अनदेखी वैसी की वैसी बनी हुई है।

आपसे वित्रम निवेदन है कि जितनी शीघ्र हो सकें इस समस्या से मरीजों को मुक्त कराने की कृपा करें। हम आपके सदैव आभारी रहेंगे। आपकी अति कृपा होगी।

धन्यवाद,

भवदीय,
नरेंद्र सिंह

दो दिन का अवकाश प्राप्त करने के लिए प्रधानाचार्य जी को पत्र लिखिए।

दिनांक: ....

सेवा में,
प्रधानाचार्य जी,
दिल्ली पब्लिक स्कूल,
सफ़दरजंग एनक्लेव, नई दिल्ली।

विषय: दो दिन के अवकाश प्राप्त करने हेतु प्रार्थना पत्र।

महोदय,

सविनय निवेदन यह है कि कल रात मुझे तेज़ बुखार आ गया था। अगली सुबह अत्यधिक बुखार के कारण मैं विद्यालय नहीं आ सका। मेरी तबीयत देखते हुए पिताजी मुझे चिकित्सक के पास जाँच करवाने के लिए चिकित्सालय ले गए थे। डाक्टर ने मुझे कुछ दवाइयाँ दी और दो दिन तक घर पर रहकर आराम करने की सलाह भी दी है। अपनी बीमारी के चलते मैं दो दिन तक विद्यालय में उपस्थित नहीं हो पाऊँगा।

अत: आपसे प्रार्थना है कि मुझे दिनांक.............. से दिनांक................ तक अवकाश प्रदान करने की कृपा करें। आपकी अति कृपा होगी।

धन्यवाद,

आपका आज्ञाकारी शिष्य,
रघुवीर

कक्षा: ....

पर्यावरण दिवस पर विद्यार्थियों को विद्यालय में पेड़ लगाने की अनुमति हेतु पत्र लिखिए।

दिनांकः ....

सेवा में,
प्रधानाचार्य जी,
रामजस उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नं. 2,
करोल बाग, नई दिल्ली।

विषय: पर्यावरण दिवस पर विद्यार्थियों को विद्यालय में पेड़ लगाने की अनुमति माँगने हेतु पत्र।

महोदय,

आगामी सप्ताह में पाँच जून को पर्यावरण दिवस मनाया जाता है। इस दिवस को मनाने का उद्देश्य है लोगों के अंदर पर्यावरण के प्रति जागरूकता पैदा करना। विभिन्न देशों में भी इसे मनाया जाता है। सरकार इस दिन वृक्षारोपण करके अपनी तरफ़ से एक प्रयास करती है, पर्यावरण को बचाने का।

हमारे विद्यालय में भी कुछ ऐसा किया जाए, तो बच्चों को पर्यावरण के प्रति जागरूक बनाया जा सकता है। इस दिवस को मनाने के लिए पेड़ लगाने से अच्छा और कोई उपाय नहीं है। हमारे विद्यालय में बहुत-सी ऐसी भूमि है, जो व्यर्थ पड़ी हुई है। इस दिवस के उपलक्ष्य पर उस भूमि पर बच्चों द्वारा वृक्षों को लगवाकर, उस स्थान का बेहतर उपयोग किया जा सकता है।

विद्यालय में यदि वे स्वयं पेड़ लगाएँगे, तो उनकी देखभाल भी वे स्वयं करेंगे। इस तरह से पेड़ों की देखभाल भी हो जाएगी और विद्यालय को भी हरा-भरा बनाया जा सकेगा। इस तरह हम वृक्षों को लगाकर पर्यावरण को बचाने में भी अपना सहयोग दे सकेंगे।

अत: आपसे निवेदन है कि आप हमें इस अवसर पर पेड़ लगाने की अनुमति प्रदान करें। आपकी अति कृपा होगी।

धन्यवाद,

आपका आज्ञाकारी शिष्य,
दिवाकर

प्रधानाचार्य से चरित्र प्रमाण पत्र माँगने के लिए पत्र लिखिए।

दिनांकः ....

सेवा में,
प्रधानाचार्य जी,
राजकीय माध्यमिक बाल विद्यालय,
लोधी रोड़, नई दिल्ली।

विषय: चरित्र प्रमाण-पत्र माँगने हेतु पत्र।

महोदय,

मैं आपके विद्यालय में छठी कक्षा का छात्र हूँ। मेरा नाम उमेद है। आपसे सविनय-निवेदन यह है कि मेरे पिताजी का स्थानांतरण दिल्ली से शिमला में हो गया है। मेरे पिताजी को शिमला में कंपनी द्वारा रहने के लिए घर दिया गया है। पिताजी को कंपनी द्वारा वहाँ स्थाई रूप से कार्य करने के लिए भेजा गया है। इसलिए हम सपरिवार शिमला रहने के लिए जा रहे हैं।

अत: पिताजी ने मेरी पढ़ाई की व्यवस्था शिमला के एक विद्यालय में करवाने का निर्णय लिया है। अगले माह से हमारा पूरा परिवार शिमला चला जाएगा। अन्य प्रमाण पत्र तो मुझे मिल गए हैं परन्तु चरित्र प्रमाण पत्र अभी तक नहीं मिला है। उसके बिना भी मेरा अन्य विद्यालय में दाखिला नहीं हो पाएगा।

अत: आपसे विनम्र अनुरोध है कि मेरा चरित्र प्रमाण पत्र शीघ्र-अति-शीघ्र बनवाकर दे दिया जाए, जिससे मेरा दाखिला शिमला के विद्यालय में बिना किसी कठिनाई के हो सके। आपकी अति कृपा होगी।

धन्यवाद,

आपका आज्ञाकारी शिष्य,
उमेद

कक्षा: छठी 'ए'

प्रधानाचार्य को विद्यालय की ओर से निशुल्क पुस्तकें और वर्दी देने के लिए प्रार्थना-पत्र लिखिए।

दिनांकः ....

सेवा में,
प्रधानाचार्य महोदय,
केन्द्रीय विद्यालय,

रायपुर (म. प्र.)

विषय: निशुल्क पुस्तकें और वर्दी देने हेतु पत्र।

श्रीमान जी,

सविनय निवेदन है कि मेरा नाम केसर है और मैं छठी 'सी' का छात्र हूँ। मेरे घर की आर्थिक स्थिति मेरे पिताजी के स्वर्गवास के बाद अच्छी नहीं चल रही है। घर मैं हम दो भाई-बहन हैं। हमारी आमदनी का जरिया माताजी को मिलने वाली पेंशन है। इससे माताजी घर का खर्चा चला लेती हैं और विद्यालय की फीस भी भर देती हैं परन्तु पढ़ाई से संबंधी अन्य वस्तुओं जैसे- पुस्तकें और वर्दी आदि को खरीद नहीं पाती हैं।

मेरी पढ़ाई में बहुत रुचि है परन्तु मेरी आर्थिक स्थिति के कारण मुझे अपनी पढ़ाई बीच में छोड़नी पड़ सकती है। मेरी कक्षा में मेरा परीक्षा परिणाम सदैव अच्छा आता है। मैंने विद्यालय में होने वाली खेल प्रतियोगिताओं में बहुत से पुरस्कार प्राप्त किए हैं।

अत: मेरा आपसे निवेदन है कि मेरी योग्यता को देखते हुए विद्यालय की ओर से मुझे निशुल्क पुस्तकें और वर्दी दी जाएं, जिससे में अपनी पढ़ाई बिना किसी रुकावट के आरंभ कर सकूँ। आपके इस सहयोग के लिए में सदा आपका आभारी रहूँगा।

धन्यवाद,

आपका आज्ञाकारी शिष्य,
केसर

कक्षा: छठी 'सी'

प्रधानाचार्य को विद्यार्थियों की ओर से आवश्यक सुविधाएँ माँगने हेतु एक पत्र लिखिए।

दिनांकः ....

सेवा में,
प्रधानाचार्य जी,
राजकीय उच्चतम माध्यमिक बाल विद्यालय,
कालकाजी, नई दिल्ली।

विषय: विद्यालय की ओर से सुविधाएँ मँगाने हेतु पत्र।

महोदया/महोदय,

आपसे सविनय-निवेदन यह है कि हमारे विद्यालय में बहुत-सी मूलभूत सुविधाओं की आवश्यकता हैं। इस

तरफ़ कभी किसी का ध्यान नहीं गया है। आपका ध्यान इन्हीं आवश्यकताओं की तरफ आकृष्ट करवाना चाहता हूँ।

श्रीमान हमारे विद्यालय में पीने के पानी का सर्वथा अभाव रहता है। गर्मियों में तो पानी पीने के लिए न के बराबर मिलता है। बच्चों को घर से लाए हुए पानी पर ही निर्भर रहना पड़ता है। हमारे विद्यालय में बच्चों के खेलने वाला मैदान खुदा पड़ा है। बच्चे यदि खेल के समय खेलने के लिए जाते हैं, तो उन्हें निराशा हाथ लगती है। पुस्तकालयों में नई पुस्तकों का अभाव रहता है। इस विषय में हमने विद्यालय के स्टाफ को बताना चाहा परन्तु हमारी बात को गंभीरता से नहीं लिया गया।

आपसे आशा है कि आप इस तरफ ध्यान देंगे और हमारी सभी समस्याओं का समाधान करने का प्रयास करेंगे। हम सदैव आपके आभारी रहेंगे।

धन्यवाद,

आपका आज्ञाकारी शिष्य,
गौतम

कक्षा: ....

प्रधानाचार्य को कैंटीन के घटिया खाद्य-पदार्थ की शिकायत करने हेतु पत्र लिखिए।

दिनांकः ....

सेवा में,
श्रीमान/श्रीमती प्रधानाचार्य,
स्कूल का नाम...............
स्कूल का पता...............

विषय: कैंटीन के घटिया खाद्य पदार्थ की शिकायत हेतु पत्र।

महोदय/महोदया,

सविनय निवेदन यह है कि हमारे विद्यालय के कैंटीन में मिलने वाले घटिया खाद्य पदार्थ की ओर आपका ध्यान आकृष्ट कराना चाहता हूँ।

हमारे विद्यालय में एक ही कैंटीन है। उस कैंटीन का रख-रखाव व खाने-पीने की ज़िम्मेदारी काफी समय से एक ही व्यक्ति को दी गई है। उसके पास रखा हुआ खाद्य पदार्थ बहुत ही घटिया होता है।

कैंटीन में ब्रेड पकोड़े, समोसे, सैंडविच, चाउमीन, चिप्स, कोल्ड ड्रिंग इत्यादि मिलता है। ब्रेड पकोड़े, समोसे और सैंडविच एक-दो दिन पुराने होते हैं। उसमें बदबू आती रहती है। चाउमीन में प्रयोग किया जाने वाला

सॉस निम्न श्रेणी का होता है। चिप्स और कोल्ड ड्रिंग की प्रयोग की जाने वाली तिथि निकल चुकी होती है। वे बच्चों के स्वास्थ्य के साथ खिलावाड़ कर रहे हैं।

इस विषय में हमने कई बार कैंटिन स्टाफ से शिकायत करने की कोशिश भी की लेकिन वे हमें डाँटकर भगा देते हैं। अध्यापिकाओं का भी हमने इस तरफ़ ध्यान दिलाना चाहा परन्तु उनकी तरफ़ से भी अनदेखी बनी हुई है।

अत: आपसे आशा है कि आप इस विषय में ध्यान देकर हमें परोसे जाने वाले घटिया खाद्य पदार्थ से मुक्ति दिलाएँगे। हम सदैव आपके आभारी रहेंगे।

धन्यवाद,

आपका आज्ञाकारी शिष्या/शिष्य,
क.ख.ग.

कक्षा...............

प्रधानाचार्य को पुस्तकालय में हिंदी की पत्र-पत्रिकाएँ मँगाने हेतु पत्र लिखिए।

दिनांकः ....

सेवा में,
प्रधानाचार्य जी,
केंद्रीय विद्यालय,
मुनिरका, नई दिल्ली।

विषय: हिंदी की पत्र-पत्रिकाएँ मँगाने हेतु पत्र।

महोदय/महोदया,

मैं छठी कक्षा का छात्र हूँ। मेरा नाम चंदर है। हमारे विद्यालय के पुस्तकालय में हिंदी पत्र-पत्रिकाओं का हमेशा अभाव रहता है। इस कारणवश हमें अध्ययन के लिए पर्याप्त पत्र-पत्रिकाएँ नहीं मिल पातीं। यदि हमें हिन्दी के किसी कवि या लेखक के विषय पर पुस्तकें चाहिए होती हैं, तो पुस्तकालय की ओर से सदैव निराशा ही हाथ लगती है।

हमारी कक्षा में मेरे जैसे बहुत से ऐसे विद्यार्थी हैं, जो अध्ययन हेतु पत्र-पत्रिकाएँ नहीं खरीद पाते। हमें इन पुस्तकों के अभाव के कारण ख़ासी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इन्हीं पुस्तकों के सहारे हम अपनी परीक्षा संबंधी तैयारियाँ करते हैं। हमने कई बार इस विषय में लाइब्रेरियन को बताना चाहा परन्तु उन्होंने इसमें अपनी असमर्थता ही दिखाई। अब आप ही हमारी आखिरी उम्मीद हैं।

इसलिए मेरा आपसे अनुरोध है कि हमारे लिए हिंदी की नई पत्र-पत्रिकाएँ मँगवाई जाएँ। इसके लिए हम आपके सदा आभारी रहेंगे।

धन्यवाद,

आपका आज्ञाकारी शिष्य,
चंदर

कक्षा: ....

प्रधानाचार्य को नए खेल प्रशिक्षक की व्यवस्था करने हेतु पत्र लिखिए।

दिनांकः ....

सेवा में,
प्रधानाचार्य जी,
शंकर दयाल बाल विद्यालय,
बिजनौर।

विषय: विद्यालय में खेल प्रशिक्षक (कोच) की आवश्यकता बताने हेतु पत्र।

मान्यवर,

सविनय निवेदन यह है कि हमारे विद्यालय में एक भी खेल प्रशिक्षक नहीं है। मैं छठी कक्षा का छात्र हूँ। हमारे विद्यालय में आगामी मास खेलों की प्रतियोगिता होने वाली है। इस प्रतियोगिता में अन्य विद्यालयों के छात्र भी भाग लेंगे। इस प्रतियोगिता में कबड्डी, खो-खो, टेबल-टेनिस, क्रिकेट आदि खेलों का आयोजन किया जाएगा।

हमारे विद्यालय ने पिछली सभी प्रतियोगिता में बहुत पुरस्कार जीते हैं। इस वर्ष भी हमसे यही आशा की जाती है कि हमारा प्रदर्शन पिछले के वर्षों की ही तरह हों। हमारे विद्यालय में इस समय कोई प्रशिक्षक नहीं है, जो हमें खेलों के लिए प्रशिक्षण दे सके। इस तरफ़ किसी का ध्यान नहीं गया है। हम अपने आप ही प्रतियोगिता की तैयारियाँ कर रहे हैं, जो कि आगामी प्रतियोगिता में हमारे अच्छे प्रदर्शन के लिए प्रर्याप्त नहीं है।

अत: आपसे निवेदन है कि हमारे लिए शीघ्र ही खेल प्रशिक्षक को नियुक्त किया जाए।

धन्यवाद,

आपका आज्ञाकारी शिष्य,
गोविंद राय

कक्षा: ....

प्रधानाचार्य को विद्यालय में चित्रकला प्रतियोगिता कराने हेतु पत्र लिखिए।

दिनांकः ....

सेवा में,
प्रधानाचार्य जी,
केन्द्रीय विद्यालय,
गोल मार्किट, नई दिल्ली।

विषय: विद्यालय में चित्रकला प्रतियोगिता कराने हेतु प्रार्थना-पत्र।

महोदया,

सविनय निवेदन यह है कि हमारे विदयालय में पहले कभी चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन नहीं किया गया है। अन्य विद्यालयों में इस तरह की प्रतियोगिता का आयोजन समय-समय पर किया जाता है। सरकार भी विशेष अवसरों पर चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन करती है। इस तरह की प्रतियोगिताएँ बच्चों का मानसिक विकास करती हैं।

हमारे स्कूल में समय-समय पर सांस्कृतिक समारोह, वाद-विवाद प्रतियोगिताओं का आयोजन होता रहता है। परन्तु इस दिशा में कभी सोचा नहीं गया है। इस तरह की प्रतियोगिताएँ बच्चों को अच्छी लगती है। रंगों से बच्चों को लगाव होता है। वे इसमें पूरे उत्साह व जोश से भाग लेते हैं।

अत: आपसे निवेदन है कि आप हमारे विद्यालय में चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन करने की कृपा करें। इस प्रतियोगिता में स्कूल के सभी बच्चे भाग ले सकें और इसका भरपूर आनंद उठा सकें। आपके इस सहयोग के लिए हम सदैव आपके आभारी रहेगें।

धन्यवाद,

आपका आज्ञाकारी शिष्य,
सूर्यकांत

कक्षा: ....